भारत सरकार
योजना मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2875
दिनांक 20 फरवरी, 2014 को उत्तर देने के लिए

तैयार किए गए आधार कार्डों की संख्या

2875. श्री सुखेन्दु शेखर राय:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 दिसम्बर, 2013 तक देश भर में कितने आधार कार्ड तैयार कर लिए गए हैं, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) 31 दिसम्बर, 2013 तक आधार कार्डों को तैयार करने हेतु कितनी राशि व्यय की जा चुकी है;
(ग) क्या आधार कार्डों का होना अनिवार्य घोषित नहीं किया गया है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) आधार कार्डों के विशिष्ट प्रयोग क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री-संसदीय कार्य और योजना
(श्री राजीव शुक्ल)

(क) 31 दिसम्बर, 2013 की स्थिति के अनुसार यूआईडीएआई द्वारा कुल 54.03 करोड़ आधार संख्याएं सृजित की गई हैं। इनका राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(ख) 31.12.2013 तक आधार परियोजना के लिए कुल 3813.17 करोड़ रु. की राशि व्यय की गई है।

(ग) आधार के लिए नामांकन स्वैच्छिक है और कोई भी निवासी इसके लिए नामांकन करा सकता है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी के लिए आधार का लाभ उठाना, केन्द्रीय और राज्य मंत्रालयों/विभागों के क्षेत्राधिकार में है।

(घ) आधार का लक्ष्य एक पहचान अवसंरचना प्रदान करना है जिसका लाभ सेवाओं की कुशल और बेहतर प्रदायगी सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक सेवा प्रक्रियाओं को पुनर्संरचित करके उठाया जा सकता है। केन्द्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा आधार का उपयोग पहचान के प्रमाण (पीओआई) और पते के प्रमाण (पीओए) के रूप में भी किया जा सकता है। बैंक खाता खोलने, मोबाइल टेलीफोन कनेक्शन और नया एलपीजी कनेक्शन इत्यादि प्राप्त करने सहित अनेक सेवाओं के लिए अपने ग्राहक का जानें (केवाईसी) दस्तावेज के रूप में आधार को मान्यता दी गई है।

अनुलग्नक

31.12.2013 की स्थिति के अनुसार सृजित आधार का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

राज्य कोड	**राज्य का नाम**	**सृजित आधार**
01	जम्मू और कश्मीर	1,236,553
02	हिमाचल प्रदेश	6,323,345
03	पंजाब	22,,780,295
04	चण्डीगढ़	909,200
05	उत्तराखण्ड	2,048,629
06	हरियाणा	16,903,722
07	दिल्ली	16,385,708
08	राजस्थान	36,159,518
09	उत्तर प्रदेश	20,726,286
10	बिहार	5,489,248
11	सिक्किम	543,351
12	अरूणाचल प्रदेश	9,779
13	नागालैंड	811,775
14	मणिपुर	908,597
15	मिजोरम	10,151
16	त्रिपुरा	3,120,841
17	मेघालय	10,712
18	असम	53,821
19	पश्चिम बंगाल	31,019,351
20	झारखण्ड	24,909,382
21	ओडिशा	16,801,279
22	छत्तीसगढ़	2,210,324
23	मध्य प्रदेश	39,648,936
24	गुजरात	22,378,462
25	दमन और दीव	157,889
26	दादरा और नगर हवेली	156,017
27	महाराष्ट्र	78,904,588
28	आंध्र प्रदेश	77,721,916
29	कर्नाटक	39,048,222
30	गोवा	1,326,811
31	लक्षद्वीप	48,710
32	केरल	29,957,159
33	तमिलनाडु	40,367,163
34	पांडिचेरी	1,121,470
35	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	160,456
	कुल योग	**540,369,666**